MEMORANDUM OF UNDERSTANDING

ON RENEWABLE ENERGY COOPERATION

BETWEEN THE MINISTRY OF NEW AND RENEWABLE ENERGY OF THE REPUBLIC OF INDIA

AND

THE MINISTRY OF ECOLOGY, SUSTAINABLE DEVELOPMENT AND ENERGY OF THE FRENCH REPUBLIC

The Ministry of New and Renewable Energy of the Republic of India and the Ministry of Ecology, Sustainable Development and Energy of the French Republic (hereinafter referred to as "the Parties");

RECOGNIZING that both India and France have ambitious targets regarding the further application of renewable energy options;

COMMITTED to work jointly to foster the transition to a low carbon and resources efficient economy;

INTENDING to establish a successful cooperation between their respective countries in matters relating to the development and utilization of renewable energy, acknowledging their importance in providing for the energy needs of their respective countries;

CONVINCED of the necessity of a lasting and effective cooperation in the interest of both countries;

HAVE REACHED the following understanding:

ARTICLE 1 : OBJECTIVE

The objective of this Memorandum of Understanding is to establish the basis for a cooperative institutional relationship to encourage and promote technical bilateral cooperation on new and renewable energy issues on the basis of mutual benefit, equality and reciprocity.

ARTICLE 2 : AREAS OF COOPERATION

The Parties will, subject to the laws, rules and national policies in force, governing the subject matter in their respective countries, endeavor to take necessary steps to encourage and promote cooperation in renewable energy. The areas of cooperation will focus on development of new and renewable energy technologies in the following fields:

a) Solar
b) Wind energy
c) Biomass
d) Tidal and waves energy
e) Any other mutually agreed areas

ARTICLE 3 : MODALITIES OF COOPERATION

Cooperation under this Memorandum of Understanding may take the following modalities:

a) Exchange and training of scientific and technical personnel
b) Exchange of scientific and technological available information and data
c) Organization of workshops, seminars
d) Transfer of equipment, know-how and technology on a commercial or non-commercial basis
e) Development of joint research or technical projects on subjects of mutual interest
f) Other modalities as may be decided upon later by the Parties

ARTICLE 4 : JOINT WORKING GROUP

1. In order to coordinate the above mentioned activities and decide upon project proposals related to design and development of various new and renewable energy technologies, the Parties might establish a "Joint Working Group" (JWG) with the following functions:

   a) Identifying areas of mutual interest and cooperation for development of new and renewable energy technologies, systems, sub-systems, devices, components etc.
   b) Monitoring and evaluation of cooperation activities.

2. The Joint Working Group shall conduct its work, to the extent possible, by means of electronic communication but meet alternately in India and France, whenever considered necessary. The JWG may co-opt other members from scientific institutions, research centers, universities or any other entity as mutually agreed.

3. Private Companies of both sides may be associated to the Joint Working Group.

ARTICLE 5 : FINANCING

Each Party will bear all the costs of its own participation in all programmes of cooperation and in the meetings contemplated under this Memorandum of Understanding, within the limitations of the operating budget.

ARTICLE 6 : SETTLEMENT OF DISPUTES

Any dispute concerning the interpretation or application of this Memorandum of Understanding will be settled amicably by negotiations and mutual consent between the Parties.

ARTICLE 7 : AMENDMENTS

This Memorandum of Understanding may be amended, revised or modified by mutual decision of the Parties.

ARTICLE 8 : ENTRY INTO FORCE, DURATION AND TERMINATION

1. The Memorandum of Understanding shall enter into force on the date of its signature, and shall remain in force for a period of 5 years.

2. This Memorandum of Understanding may be renewed by mutual consent of the Parties.

3. Either Party may terminate this Memorandum of Understanding. Such decision will be communicated in writing to the other Party at least three months prior to its termination. The termination of this Memorandum of Understanding shall not affect the validity and duration of any ongoing programme and projects under this Memorandum of Understanding.

IN WITNESS THEREOF, The undersigned being duly authorized thereto have signed this Memorandum of Understanding.

Signed in Paris on 10 Arpil, 2015 in two originals each, in Hindi, English and French Languages, all texts being equally authentic.

For the Ministry of New and Renewable Energy, Government of the Republic of India

Arun Kumar Singh
Ambassador of India to France

For the Ministry of Ecology, Sustainable development and energy Government of the Republic of France

Ségolène Royal
Minister for the Ministry of Ecology, Sustainable development and energy Government of the Republic of France

भारत गणराज्य
के
नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय
और
फ्रांस गणराज्य
के
पारिस्थितिकी, धारणीय विकास और ऊर्जा मंत्रालय
के बीच
अक्षय ऊर्जा सहयोग
पर
समझौता ज्ञापन

भारत गणराज्य का नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय तथा फ्रांस गणराज्य का पारिस्थितिकी, धारणीय विकास और ऊर्जा मंत्रालय (जिन्हें इसके पश्चात् 'पक्ष' कहा जाएगा);

यह स्वीकार करते हुए कि अक्षय ऊर्जा विकल्पों के और अधिक अनुप्रयोग के संबंध में भारत और फ्रांस, दोनों के महत्वाकांक्षी लक्ष्य हैं ;

निम्न कार्बन एवं संसाधन दक्ष अर्थव्यवस्था की दिशा में परिवर्तन को बढ़ावा देने के लिए संयुक्त रूप से कार्य करने की प्रतिबद्धता के साथ;

अपने संबंधित देशों तथा संघबद्ध इकाइयों की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने में अक्षय ऊर्जा के महत्व को स्वीकार करते हुए अपने संबंधित देशों के बीच अक्षय ऊर्जा के विकास और उपयोग से संबंधित मामलों में एक सफल सहयोग व्यवस्था की स्थापना करने की इच्छा व्यक्त करते हुए ;

दोनों देशों के हित में एक स्थायी और कारगर सहयोग व्यवस्था की आवश्यकता को स्वीकार करते हुए ;

निम्नानुसार सहमत हुए हैं :

अनुच्छेद I : उद्देश्य

इस समझौता ज्ञापन का उद्देश्य परस्पर हित, समानता और पारस्परिकता के आधार पर नवीन एवं अक्षय ऊर्जा से संबंधित विषयों पर द्विपक्षीय तकनीकी सहयोग को बढ़ावा देने तथा प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से एक सहयोगात्मक संस्थागत संबंध के लिए आधार का निर्माण करना है ।

अनुच्छेद II : सहयोग के क्षेत्र

पक्षों द्वारा अपने–अपने देष में इस विषय–वस्तु को अभिशासित करने हेतु लागू कानूनों, नियमों एवं राष्ट्रीय नीतियों के अध्यधीन, अक्षय ऊर्जा में सहयोग को बढ़ावा देने और प्रोत्साहित करने हेतु आवश्यक कदम उठाने के प्रयास किए जाएंगे। सहयोग के क्षेत्रों द्वारा निम्नलिखित क्षेत्रों में नवीन एवं अक्षय ऊर्जा प्रौद्योगिकियों के विकास पर बल दिया जाएगा :

क) सौर ऊर्जा
ख) पवन ऊर्जा
ग) बायोमास
घ) ज्वारीय एवं तरंग ऊर्जा
ड़) पारस्परिक रूप से सहमत अन्य क्षेत्र

अनुच्छेद III : सहयोग की पद्धति

इस समझौता–ज्ञापन के अंतर्गत सहयोग की निम्नलिखित प्रणालियां हो सकती हैं :

क) वैज्ञानिक और तकनीकी कार्मिकों का आदान–प्रदान और प्रशिक्षण ;
ख) उपलब्ध वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकीय सूचना और डेटा का आदान–प्रदान ;
ग) कार्यशालाओं, संगोष्ठियों का आयोजन ;
घ) वाणिज्यिक अथवा गैर–वाणिज्यिक आधार पर उपकरणों, जानकारी तथा प्रौद्योगिकी का हस्तांतरण;
ड.) पारस्परिक लाभ के विषयों पर संयुक्त अनुसंधान अथवा तकनीकी परियोजनाओं का विकास;
च) पक्षों द्वारा बाद में निर्धारित की गई अन्य प्रणालियां।

अनुच्छेद IV : संयुक्त कार्य दल

1. ऊपर वर्णित कार्यकलापों को समन्वित करने तथा विभिन्न नई और अक्षय ऊर्जा प्रौद्योगिकियों के अभिकल्पन और विकास से संबंधित परियोजना प्रस्तावों पर निर्णय लेने के उद्देश्य से दोनों पक्षों द्वारा एक "संयुक्त कार्य दल" (जे डब्ल्यू जी) की स्थापना की जा सकती है जिसके निम्नलिखित कार्य होंगे :

क) नवीन और अक्षय ऊर्जा प्रौद्योगिकियों, प्रणालियों, उप–प्रणालियों, उपकरणों, संघटकों आदि के विकास के लिए पारस्परिक हित और सहयोग के क्षेत्रों की पहचान करना।

ख) सहयोग संबंधी कार्य कलापों का अनुवीक्षण और मूल्यांकन ;

2. संयुक्त कार्य दल द्वारा जहां तक संभव हो, अपना कार्य इलैक्ट्रोनिक संचार के माध्यम से संचालित किया जाएगा, परंतु इसकी बैठक, जब ऐसा आवश्यक समझा जाए, भारत और फ्रांस में बारी–बारी से आयोजित की जाएगी। संयुक्त कार्य दल द्वारा परस्पर सहमति से वैज्ञानिक संस्थानों, अनुसंधान केंद्रों, विष्वविद्यालयों अथवा किसी अन्य संस्था से दूसरे सदस्यों को सहयोजित किया जा सकता है ।

3. संयुक्त कार्य दल में दोनों पक्षों की निजी कंपनियों को सम्मिलित किया जा सकता है ।

अनुच्छेद V : वित्तपोषण

प्रत्येक पक्ष द्वारा इस समझौता–ज्ञापन के अंतर्गत विचारित सहयोग के सभी कार्यक्रमों और बैठकों में अपनी भागीदारी से संबंधित सभी खर्चों का वहन प्रचालन बजट की सीमाओं के भीतर किया जाएगा ।

अनुच्छेद VI ऋविवादों का निपटान

इस समझौता ज्ञापन की व्याख्या अथवा अनुप्रयोग से संबंधित किसी विवाद का निपटान दोनों पक्षों के बीच विचार–विमर्श और परस्पर सहमति से किया जाएगा ।

अनुच्छेद VII : संशोधन

इस समझौता ज्ञापन को दोनों पक्षों के पारस्परिक निर्णय से संशोधित, पुनरीक्षित अथवा परिवर्तित किया जा सकता है ।

अनुच्छेद VIII : लागू होना, अवधि और समापन

1. यह समझौता ज्ञापन इस पर हस्ताक्षर होने की तिथि से लागू होगा और 5 वर्ष की अवधि तक लागू रहेगा ।

2. इस समझौता ज्ञापन का नवीकरण दोनों पक्षों की परस्पर सहमति से किया जा सकता है ।

3. इस समझौता ज्ञापन को किसी भी पक्ष द्वारा समाप्त किया जा सकता है। ऐसे निर्णय की सूचना दूसरे पक्ष को समापन के कम से कम तीन माह पूर्व लिखित में दिया जाएगा। इस समझौता ज्ञापन को समाप्त करने से इसके अंतर्गत किसी चल रहे कार्यक्रम और परियोजनाओं की वैधता और अवधि पर प्रभाव नहीं पड़ेगा ।

जिस के साक्ष्यस्वरूप, अधोहस्ताक्षरी, जिन्हें इसके लिए विधिवत् प्राधिकृत किया गया है, द्वारा इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

पेरिस में 10 अप्रैल 2015 को फ्रेंच, अंग्रेजी और हिंदी भाषाओं में दो–दो मूल प्रतियों में हस्ताक्षरित । इसके सभी पाठ समान रूप से प्रामाणिक हैं ।

भारत गणराज्य की सरकार के नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय की ओर से	फ्रांस गणराज्य की सरकार के पारिस्थितिकी, धारणीय विकास और ऊर्जा मंत्रालय की ओर से
अरूण कुमार सिंह फ्रांस में भारत के राजदूत,	सेगोलिन रोयाल पारिस्थितिकी, धारणीय विकास और ऊर्जा मंत्री

ARRANGEMENT ADMINISTRATIF

RELATIF À LA COOPÉRATION DANS LE DOMAINE DES ÉNERGIES RENOUVELABLES

LE MINISTÈRE DES ÉNERGIES NOUVELLES ET RENOUVELABLES DE LA RÉPUBLIQUE DE L'INDE

ENTRE

ET

LE MINISTÈRE DE L'ÉCOLOGIE, DU DÉVELOPPEMENT DURABLE ET DE L'ÉNERGIE

DE LA RÉPUBLIQUE FRANÇAISE

Le Ministère des Énergies nouvelles et renouvelables de la République de l'Inde et le Ministère de l'Écologie, du Développement durable et de l'Énergie de la République française (ci-après dénommés « les Parties »),

RECONNAISSANT que l'Inde et la France ont des objectifs ambitieux concernant la poursuite de la mise en œuvre des options d'énergies renouvelables,

ATTACHÉS à travailler ensemble pour promouvoir la transition vers une économie à faible émission de carbone et efficace dans l'utilisation des ressources,

DÉSIREUX d'établir une coopération réussie entre leurs pays respectifs dans les questions liées au développement et à l'utilisation des énergies renouvelables, reconnaissant leur importance pour répondre aux besoins énergétiques de leurs pays respectifs,

CONVAINCUS de la nécessité d'une coopération durable et efficace dans l'intérêt des deux pays,

ONT CONCLU l'accord suivant :

ARTICLE 1er : OBJECTIF

L'objectif du présent arrangement administratif est de mettre en place les fondements de relations de coopération institutionnelle afin d'encourager et de promouvoir la coopération bilatérale technique dans le domaine des énergies nouvelles et renouvelables sur la base du bénéfice mutuel, de l'égalité et de la réciprocité.

ARTICLE 2 : DOMAINES DE COOPÉRATION

Sous réserve des lois, règlements et politiques nationales en vigueur régissant la question traitée dans leurs pays respectifs, les Parties s'efforceront de prendre les mesures nécessaires pour encourager et promouvoir la coopération dans le domaine des énergies renouvelables. Les domaines de coopération porteront sur le développement des technologies liées aux énergies nouvelles et renouvelables dans les domaines suivants :

a) Solaire
b) Énergie éolienne
c) Biomasse
d) Énergie des marées et des vagues
e) Tout autre domaine convenu d'un commun accord.

ARTICLE 3 : MODALITÉS DE COOPÉRATION

La coopération en application du présent arrangement administratif peut prendre les formes suivantes :

a) Échange et formation de personnel scientifique et technique
b) Échange d'informations et de données scientifiques et technologiques disponibles
c) Organisation d'ateliers, de séminaires
d) Transfert d'équipements, de savoir-faire et de technologies sur une base commerciale et non commerciale
e) Développement de projets techniques ou de recherche conjoints sur des sujets d'intérêt mutuel
f) Autres modalités pouvant être définies ultérieurement par les Parties.

ARTICLE 4 : GROUPE DE TRAVAIL MIXTE

1. Pour coordonner les activités mentionnées ci-dessus et décider des propositions de projets relatifs à la conception et au développement de différentes technologies liées aux énergies nouvelles et renouvelables, les Parties pourraient créer un « Groupe de travail mixte » ayant les fonctions suivantes :

a) identification des domaines d'intérêt mutuel et de coopération au développement de technologies, systèmes, sous-systèmes, dispositifs, composants, etc. liés aux énergies nouvelles et renouvelables
b) suivi et évaluation des activités de coopération

2. Le Groupe de travail mixte mène ses travaux, dans la mesure du possible, par des moyens de communication électronique mais se réunit alternativement en Inde et en France lorsque cela est jugé nécessaire. Le Groupe de travail mixte peut coopter d'autres membres d'institutions scientifiques, de centres de recherche, d'universités ou de toute autre entité convenue d'un commun accord.

3. Des sociétés privées des deux Parties peuvent être associées au Groupe de travail mixte.

ARTICLE 5 : FINANCEMENT

Chaque Partie prendra en charge les coûts de sa propre participation à tous les programmes de coopération et aux réunions prévues par le présent arrangement administratif, dans les limites du budget de fonctionnement.

ARTICLE 6 : RÈGLEMENT DES DIFFÉRENDS

Tout différend relatif à l'interprétation ou à l'application du présent arrangement administratif sera réglé à l'amiable par voie de négociations et de consentement mutuel entre les Parties.

ARTICLE 7 : MODIFICATIONS

Le présent arrangement administratif peut être amendé, révisé ou modifié par décision mutuelle des Parties.

ARTICLE 8 : ENTRÉE EN VIGUEUR, DURÉE ET DÉNONCIATION

1. Le présent arrangement administratif entre en vigueur à la date de sa signature et demeure en vigueur pour une durée de cinq (5) ans.

2. Le présent arrangement administratif peut être renouvelé par consentement mutuel des Parties.

3. Chacune des Parties peut dénoncer le présent arrangement administratif. Cette décision est communiquée par écrit à l'autre Partie au moins trois mois avant sa dénonciation. La dénonciation du présent arrangement administratif n'affecte pas la validité et la durée des programmes et projets en cours au titre du présent arrangement administratif.

EN FOI DE QUOI les soussignés, dûment habilités à cet effet, ont signé le présent arrangement administratif.

Signé à Paris, le 10 avril, 2015, en deux exemplaires originaux, chacun en langues hindi, française et anglaise.

Pour le Ministre des Énergies nouvelles et renouvelables de la République de l'Inde

M. Arun Kumar Singh
Ambassadeur de l'Inde en France

Pour la Ministre de l'Écologie, du Développement durable et de l'Énergie de la République française

Mme Ségolène Royal
Ministre de l'Écologie, du Développement durable et de l'Énergie